एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम

असमिया संस्कृति का दिया छात्रों को ज्ञान

बारां. केंद्र सरकार की ओर से संचालित राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान एक भारत श्रेष्ठ भारत का कार्यक्रम के तहत गुरुवार को छात्र, छात्राओं को असमिया संस्कृति से रू-ब-रू कराया गया। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएम मीना ने बताया कि देश को एकरूप में जोड़ने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत समन्यवयक रतिराम जाटव ने विद्यार्थियों को असम की सांस्कृतिक गतिविधियां, रहन-सहन, खान-पान, पहनावा, कृषि इत्यादि के बारे ने जानकारी दी। महाविद्यालय के स्मार्ट रूम में असम की संस्कृतियों से संबंध में वीडियो भी दिखाया गया। इस दौरान एनएसएस जिला समनवयक दीपक कुमार, सोन लता, राजेंद्र मीना, उपमा मीना, चेतन मीना आदि उपस्थित रहे।

बारां में महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि पर रैली निकालते हुए।

निकाली जागरूकता रैली

महाविद्यालय में संविधान दिवस से समरसता दिवस महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर मौलिक अधिकार और मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। प्राचार्य मीना ने विद्यार्थियों को संविधान, मूल अधिकार और मूल कर्तव्यों की जानकारी दी और रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

राजनीति विज्ञान के प्रो. महेश कुमार निठारवाल ने बताया कि मूल अधिकार नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है लेकिन अधिकारों का दूसरा पक्ष कर्तव्य भी है इसलिए नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए।

श्रद्धांजलि दी, शपथ ली

राजकीय कन्या महाविद्यालय बारां में महात्मा गांधी के पुण्य तिथि के अवसर पर शहीद दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य मुसव्विर अहमद ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यापर्ण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

इस अवसर पर दो मिनट का मौन धारण किया गया। सहायक आचार्य डॉ. नरेश नायक ने गांधी के विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. संजय मेहता, डॉ. अपर्णा शर्मा ने अहिंसा के सिद्धान्त पर प्रकाश डाला। इसके बाद एक भरत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय के समस्त स्टाफएवं छात्राओं ने जल सरंक्षण एवं स्वच्छता की शपथ ली। संचालन डॉ. भगत सिंह ने किया।

खेल मैदान में नहीं है संसाधन

कस्बाथाना. बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरुरी है, लेकिन कस्बाथाना के राजकीय उच्च माध्यामिक विद्यालय के खेल मैदान में व्यवस्थाओं का अभाव बना है। स्कूल के बच्चे लंबे समय से खेल मैदान में खेल संसाधनों के अभाव में जूझ रहे हैं। खेल संसाधनों की कमी होने से स्कूल की प्रतिभाओं को निखरने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहा। सफाई नहीं होने से मैदान में जगह-जगह घास उग रहा है वहीं मैदान के चारदीवारी भी नहीं है।